

# किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग का संरचनात्मक एवं कार्यात्मक निरूपण

Krishan Kumar Tiwari<sup>1\*</sup> Dr. Mukesh Mourya<sup>2</sup>

<sup>1</sup> Research Scholar, Public Administration Department, Swami Vivekananda University, Sagar (MP)

<sup>2</sup> Assistant Professor, Public Administration Department, Swami Vivekananda University, Sagar (MP)

## सारांश (Abstract)

### कृषि की अवधारणा

कृषि का अंग्रेजी शब्द "Agriculture" से लिया गया है जिसकी व्युत्पत्ति लैटिन भाषा के दो शब्दों Agri तथा Culture से हुई हैं। इसके अन्तर्गत विद्वानों के अनुसार कृषि के अलावा अन्य कार्य पशुपालन, मुर्गी, मत्स्य, मधुमक्खी पालन भी आते हैं। कृषि को अनेक विद्वानों ने अपने-अपने अनुसार परिभाषित किया है।[1]

### जिला कृषि कार्यालय की पृष्ठभूमि

पूर्व में सन 1948 तक सागर जिले का कृषि कार्य का प्रशासन अतिरिक्त सहायक कृषि संचालक जबलपुर के अधीन रहा बाद में यह प्रभार सागर के जिला कृषि अधिकारी को सौंपा गया। तहसील स्तर पर कृषि सहायक तथा जिला स्तर पर जिला कृषि अधिकारी क्रियान्वित किये गये।[2]

### सागर विकास कार्यक्रम[3]

- (A) सागर जिले के विकास हेतु सामुदायिक विकास कार्यक्रम - इस हेतु सामुदायिक विकासखण्डों का निर्माण किया गया, जिसका प्रारंभ 2 अक्टूबर 1953 को किया गया।
- (B) कृषि सुधार कार्यक्रम का क्रियान्वयन - इस हेतु प्रशासन ने सुधरे बीजों का वितरण, रासायनिक खाद वितरण, सन बीजों का वितरण, इमारती वृक्षों का रोपण, लघु सिंचाई साधनों का विस्तार, कम्पोस्ट खाद आदि कार्यक्रम हाथ में लिये।

भारत की स्वतंत्रता के पश्चात कृषि विभाग के गठन सम्बन्धी कार्यप्रणाली - भारत की स्वतंत्रता के पश्चात म.प्र. का गठन किया गया, इसके बाद नये तरीके से कृषि विभाग का गठन हुआ, कुछ उद्देश्य निर्धारित किये गये। सन् 2007 में कृषि विभाग का नाम- किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग किया गया। वर्तमान में विभाग का मुख्यालय भोपाल है।[4]

म.प्र. शासन में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग का उद्देश्य - प्रमुख उद्देश्य कृषि के क्षेत्र में उन्नति, समय विकास प्रशासकीय प्रक्रिया के तहत आयोजित कार्यक्रमों के द्वारा कृषकों को यंत्रीकरण हेतु प्रोत्साहित कर यांत्रिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादन बढ़ाने, श्रम, समय तथा धन की बचत करना है। कृषि विकास के क्रम में योजनाओं का क्रियान्वयन कर प्रदेश को विकसित राज्य बनाना है।[5]

विभागीय ढाँचा (संरचनात्मक एवं कार्यात्मक निरूपण/आरेखण) - म.प्र. में कृषि विभाग की प्रशासनिक एवं तकनीकी गतिविधियों के संचालन के लिए राज्य स्तर पर संचालनालय जिसके प्रमुख संचालक हैं, से लेकर संभाग स्तर, जिला स्तर, अनुविभाग स्तर तथा

विकासखण्ड स्तर तक अधिकारियों/कर्मचारियों को क्रमशः संभाग स्तर पर संयुक्त संचालक, जिला स्तर पर उपसंचालक, अनुविभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी तथा विकासखण्ड स्तर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाकर अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ संरचनात्मक तथा कार्यात्मक आरेखण किया गया है।[6]

मुख्य शब्द (Key Words) - संरचनात्मक, कार्यात्मक, निरूपण, प्रशासकीय, हस्तांतरित, वित्तीय, प्रदत्त शक्तियाँ, नियंत्रण इत्यादि।

-----X-----

## प्रस्तावना (INTRODUCTION)

- सन् 1881 में आजादी से पहले भारत में राजस्व, कृषि एवं वाणिज्य विभाग था।
- सन् 1881 में पुनर्गठित कर राजस्व एवं कृषि विभाग किया गया।
- सन् 1923 में शिक्षा और स्वास्थ्य को इसमें शामिल कर शिक्षा, स्वास्थ्य और भूमि कर दिया गया।
- सन् 1945 में इसे तीन अलग-अलग विभागों कृषि, शिक्षा एवं स्वास्थ्य में बांटा गया।
- सन् 1947 को कृषि मंत्रालय में तब्दील कर दिया गया।[7]
- सन् 2007 में विभाग का नाम परिवर्तन हेतु अधिसूचना जारी की गई तथा दिनांक 24.01.2007 को विभाग का नाम किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग किया गया।[8]

म.प्र. शासन में भारत सरकार कृषि मंत्रालय तथा स्व वित्तीय मंत्रालय के सहयोग से तथा अपने द्वारा राज्य के कृषि क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली समस्याओं के निराकरण हेतु एक उपक्रम किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग कार्यरत है। इस विभाग के द्वारा कृषि सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण हेतु अनेक गतिविधियाँ संचालित हैं। कृषि के विकास में तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक कृषि हितैषी योजनायें केन्द्रीय तथा राज्य शासन के सहयोग से क्रियान्वित हैं।[9]

कृषि क्षेत्र में पूर्व में बैलों द्वारा बखर चलाकर खेतों की जुताई का कार्य किया गया।[10] कृषकों द्वारा स्वयं खेतों से निदाई गड़ाई इत्यादि अन्य कार्य किये गये, तथा साधारण तकनीकी प्रयोगों से कार्य किये गये।

पूर्व के शोध पत्रों में प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत अत्याधुनिक तकनीकी प्रयोगों से कृषि कर उत्पादन बढ़ाने पर बल नहीं दिया

गया। क्योंकि नवीनतम शोध के अन्तर्गत कार्य न होते हुये नवीन तकनीकों का उदय ही नहीं हुआ था। अब नवीन शोधों के उपरान्त नवीन कृषि तकनीकों का विकास हुआ है। आज मेरे इस शोध पत्र में नवीनतम तकनीकी प्रयोगों से कृषि कार्य पर बल दिया गया है। आज रोबोट[11], ड्रोन्स[12], हार्वेस्टर[13], ट्रिप, रेनगन, नवीन कृषि कार्य पद्धतियाँ (कृषि कार्यमाला) स्प्रींकलर सिंचाई तथा अत्याधुनिक कृषि यंत्रों के प्रयोग से कृषि कार्य कर उत्पादन दुगुना करने के सुझाव मेरे शोध पत्र में दिये गये हैं। वहिरकल प्लांट सिस्टम[14], दीवारों पर गेहूँ धान मक्का की खेती को प्रोत्साहित करने का कार्य किया गया है जो उचित तथा अच्छे परिणाम देने वाले हैं।

अतः मेरे शोध पत्र के अध्ययन का महत्व है। नवीनतम तकनीकी प्रयोगों से नवीन योजनाओं के द्वारा अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा रहा है, जिससे देश-प्रदेश का उत्थान होगा।

## साहित्य की समीक्षा (LITERATURE REVIEW)

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग में प्रशासनिक, संरचनात्मक एवं कार्यात्मक प्रशासनिक तन्त्र (मशीनरी) अधिकारी/कर्मचारियों का ढाँचा तैयार कर कृषि क्षेत्र में जन कल्याण के कार्य किये जा रहे हैं तथा योजनाओं के क्रियान्वयन से रकवा तथा उत्पादन बढ़ रहा है।

## शोध पद्धति (METHODOLOGY)

म.प्र. में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा कृषि विकास की प्रशासनिक तथा तकनीकी गतिविधियों के संचालन के लिए राज्य स्तर पर संचालनालय, संभाग स्तर पर संयुक्त संचालक कृषि, जिला स्तर पर उपसंचालक कृषि कार्यालय, अनुविभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी तथा विकासखण्ड स्तर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय स्थापित हैं। तथा इनके अधीन अन्य तकनीक तथा नॉन-तकनीक अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा कृषि विकास के कार्यों को किया जा रहा है।

संचालक कृषि से लेकर सभी स्तर के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा अनेक विधियों/प्रयोगों का उपयोग कर कृषि के विकास की प्रशासनिक तथा तकनीकी गतिविधियाँ की गई हैं।

इसमें प्रमुखतः निम्न विधियों का प्रयोग किया गया है- 1. तथ्यों का अध्ययन करते हुये[15], 2. क्षेत्र भ्रमण करते हुये[16], 3. व्यक्तिगत सम्पर्क[17], 4. प्रदर्शन विधि[18], 5. इलेक्ट्रानिक तकनीक की प्रयोग विधि[18], 6. प्रमाणीकरण या प्रतिपादन विधि[20], 7. परिणाम विश्लेषण तकनीक विधि[21], 8. पोस्टर विधि[22], 9. ऑनलाइन पद्धति[23], 10. दूरभाष पद्धति[24], 11. दूरदर्शन पद्धति (DD Kisan)[25]

नवीन शोध के पूर्व केवल निम्न विधि/प्रयोगों को अपनाकर कृषि विकास के क्षेत्र में कार्य किये गये।

1. तथ्यों का अध्ययन करते हुये।
2. क्षेत्र भ्रमण करते हुये।
3. व्यक्तिगत सम्पर्क विधि।

लेकिन अब नवीन शोध के उपरान्त निम्न प्रयोग/विधियों पर बल दिया जाकर कृषि विकास के क्षेत्र में कार्य किये जा रहे हैं।

1. प्रदर्शन विधि (Demonstration Method)
2. इलेक्ट्रानिक तकनीक की प्रयोग विधि।
3. प्रमाणीकरण या प्रतिपादन विधि।
4. परिणाम विश्लेषण तकनीक विधि।
5. पोस्टर विधि।
6. आनलाइन पद्धति।
7. दूरदर्शन पद्धति।
8. दूरभाष पद्धति।

## परिणाम (RESULTS)

राज्य स्तर कृषि संचालक से लेकर विकासखण्ड स्तर तक की सभी (प्रशासकीय मशीनरी) अधिकारी/कर्मचारी के प्रशासकीय तथा तकनीकी गतिविधियों के समस्त प्रयोगों के फलस्वरूप अच्छे परिणाम प्राप्त हुये हैं।

- (अ) कृषि विकास दर - विगत 4 वर्षों की औसत कृषि विकास दर 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष से अधिक हो गई है। म.प्र. यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला देशका पहला राज्य बन गया है।
- (ब) कुल कृषि उत्पादन - वर्ष 2016-17 में 5.41 करोड़ मेट्रिक टन तथा विगत 12 वर्षों में 154 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- (स) कुल खाद्यान्न उत्पादन - वर्ष 2004-05 में 1.43 करोड़ मेट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2016-17 में 4.44 करोड़ मेट्रिक टन 207 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- (द) कुल दलहनी फसलों का उत्पादन - वर्ष 2004-05 में 33.51 लाख मेट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2016-17 में 82.01 लाख मेट्रिक टन 136 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।[26]
- (य) तिलहन फसलों का उत्पादन - वर्ष 2004-05 में कुल उत्पादन मात्र 49.08 लाख मेट्रिक टन, वर्ष 2016-17 में बढ़कर 82.25 लाख मेट्रिक टन, 78 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- (र) कृषि क्षेत्र में बढ़ोत्तरी - विगत 12 वर्षों में 57 लाख हैक्टेयर की वृद्धि हुई है। वर्ष 2016-17 में कृषि क्षेत्र का रकवा बढ़कर 2.52 करोड़ हैक्टेयर हो गया।
- (ल) मंडियों में जिन्सों की आवक - मंडियों में जिन्सों की आवक बढ़कर वर्ष 2016-17 में 214.93 लाख मेट्रिक टन हो गई।
- (व) वर्तमान कृषि सघनता - वर्तमान कृषि सघनता 153 प्रतिशत हो गई है।

## व्याख्या/विचार विमर्श (DISCUSSIONS)

शोध पत्र में बैलों द्वारा बखर चलाकर जुताई कार्य से लेकर इलेक्ट्रानिक तकनीक विधि जो प्रशासकीय तंत्र की कार्यप्रणाली का परिणाम है। उल्लेखित की गई है। अत्याधुनिक कृषि प्रणाली के बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त हुये हैं जो कि स्वमेव महत्वपूर्ण सिद्ध हो चुके हैं। परिणामों के उल्लेख से इस बात का पूर्ण सत्यापन/परीक्षण हो चुका है।

अतः परिणाम महत्वपूर्ण तथा प्रशासनिक तंत्र की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को सत्यापित करते हैं जो कृषि विकास की दिशा में आज परिलक्षित दिखाई दे रहे हैं।

## निष्कर्ष (CONCLUSION)

म.प्र. शासन में प्रशासकीय तंत्र (कृषि) की कार्यप्रणाली का प्रभाव; पञ्चबज्र यह हुआ है कि कृषि विकास दर में वृद्धि 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष से अधिक है। कुल कृषि उत्पादन वर्ष 2016-17 में 5.41 करोड़ मेट्रिक टन विगत 12 वर्षों में 154 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। प्रशासन तंत्र (कृषि) की कार्यप्रणाली/प्रयोग विधि के फलस्वरूप कृषि उत्पादन में और वृद्धि हो चुकी है। कृषि उत्पादन दो गुनी की जाने की रूपरेखा तैयार की जा रही है। देश के (प्रशासन तंत्र प्रमुख) माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा इस ओर विशेष प्रयोग विधियों को अपनाकर परिणाम प्राप्ति के प्रयास किये जा रहे हैं।

कुल खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2016-17 की तुलना में और अधिक हो चुका है। इसी तरह दलहन/तिलहन फसलों के उत्पादन में तथा कृषि क्षेत्र का रकबा बढ़ रहा है। मंडियों में जिन्स की आवक बढ़ रही है। कृषि सघनता का प्रतिशत बढ़ रहा है यह सब प्रशासनिक तंत्र की विशिष्ट कार्यप्रणाली का परिणाम है।

प्रशासनिक गतिविधि के कारण जन कल्याण हो रहा है। इस तरह शोध के द्वारा प्रशासन तंत्र की सुधार प्रक्रिया के अच्छे परिणाम प्राप्त होना। शोध की आवश्यकता के पश्चात् सुझावों से लाभ प्राप्त होना उत्कृष्ट शोध का पर्यायवाची बन गया है। जो शोध की महत्ता को गौरव प्रदान कर रहा है। प्रशासन तंत्र की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली तथा गौरवशाली शोध अच्छे तंत्र की संरचनात्मक तथा कार्यात्मकता का प्रतीक है। जिसके परिणामतः जन कल्याण अवश्यमभावी है।

## सन्दर्भ

1. FAO Report (1962), Agriculture in World Economy, Rome, p.3
2. व.सु. कृष्णन, म.प्र. जिला गजेटियर सागर, जिला कृषि कार्यालय, नई दुनिया प्रेस इन्दौर, पृ.151
3. वही, पृ.152
4. (i) संचालक कृषि म.प्र. भोपाल, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, विभागीय मार्गदर्शी पुस्तिका

दिसम्बर 2018, प्रकाशक कृषि विभाग, म.प्र. शासन भोपाल।

(ii) [www.mpkrishi.org>rti\\_agriculturePDF](http://www.mpkrishi.org>rti_agriculturePDF)

(iii) [rti\\_agriculture\\_2018](http://rti_agriculture_2018)

5. मोहनलाल (संचालक कृषि), म.प्र. भोपाल, प्रस्तावक-मोहनलाल, संचालनालय किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, म.प्र. भोपाल
6. [www.mpkrishi.org>rti\\_agriculturePDF](http://www.mpkrishi.org>rti_agriculturePDF) (rti\_agriculture\_2018)
7. PM Modi Change /fram khabarndtv.com
8. [mpkrishi.mp.gov.in>paripatra](http://mpkrishi.mp.gov.in>paripatra)
9. कृषि योजनायें, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, भोपाल (म.प्र.) [mpkrishi.mp.gov.in>suvudhaye-new](http://mpkrishi.mp.gov.in>suvudhaye-new) (किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग म.प्र. भारत सरकार कृषि मंत्रालय के सहयोग से [mpkrishi.mp.gov.in](http://mpkrishi.mp.gov.in))
10. किसानों को भाया तकनीक का इस्तेमाल बैलों की जगह [www.jagran.com>bihar?buxa](http://www.jagran.com>bihar?buxa) (हल बैल के स्थान पर ट्रैक्टर व अन्य यंत्रों का उपयोग) [www.indianews calling.com>news](http://www.indianews calling.com>news)
11. अब रोवोट काटेगा फसल (fram [m.economictimes.com](http://m.economictimes.com), bilaspur news: farmers, R, 24 Jun 2017 (from [naidunia.com](http://naidunia.com)) updated 24 June 2020
12. 18 सितम्बर 2019 को पहली बार ड्रोन से खेती Dron will secure and treatment of crops in future\_Amar Ujala ([www.amarujala.com>chandigarh](http://www.amarujala.com>chandigarh))
13. अब आईरेनगन पद्धति 30 मई 2013 ([hindi.india water portal.org>com](http://hindi.india water portal.org>com))
14. Jaipur Adopting vertical Gardening culture 5 जून 2017 पहली बार वर्टिकल गार्डन जयपुर में ([m.patrika.com>city news](http://m.patrika.com>city news))
15. अध्ययन विधि- अनटाइटल्ड Shodhganga ([Shodhganga.inflibnet.ac.in>bitstream](http://Shodhganga.inflibnet.ac.in>bitstream))
16. भ्रमण के दौरान सीखी फसल अनुसंधान तकनीक ([www.bhaskar.com>news>mp](http://www.bhaskar.com>news>mp))

17. कृषि उत्पादकता पोषण स्तर सुधार की प्रशासनिक अधिकारियों की व्यक्तिगत सम्पर्क विधि (m\_hindi.india water portal.org>cont)
18. कृषि प्रशासन की प्रदर्शन विधि (www.ctet point.com>demonstration method)
19. Use of mobile in Agriculture and Agriculture related mobile apps (प्रशासन) (www.krishisewa.com>miscellaneous)
20. म.प्र. प्रशासन का राज्य कृषि विपणन बोर्ड (बीज प्रमाणीकरण संस्था) (mpmandiboard.co.in>head\_office)
21. कृषि विधेयक के परिणाम विश्लेषण, किसान कल्याण तथा कृषि विकास (www.mp.info.org>news>newscot....)
22. बादल महल स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र, निबन्ध में विधि और निर्देश पोस्टर में.... (www.bhaskar.com/news>RAJ\_O)
23. आनलाइन सेवा (प्रशासनिक) Government of Madhya Pradesh (mp.gov.in>services)
24. किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग म.प्र. Krishinet, mpkrishi.mp.gov.in>directory>D..
25. दूरदर्शन (किसान), (DD Kishan) प्रसार भारती
26. (उत्पादकता), संचालक कृषि म.प्र. भोपाल, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, विभागीय मार्गदर्शी पुस्तिका दिसम्बर 2018, प्रकाशक कृषि विभाग, म.प्र. शासन भोपाल, पृ. 7.

---

### Corresponding Author

**Krishan Kumar Tiwari\***

Research Scholar, Public Administration Department, Swami Vivekananda University, Sagar (MP)